>

Title : Need to erect a 'National War Memorial' in New Delhi in honour of martyrs who laid down their lives for the country.

डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा): किसी भी राष्ट्र का अपने उज्जवल वर्तमान एवं भविष्य निर्माण के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह राÂष्ट्रभक्ति की प्रबल भावना से स्वयं को ओतप्रोत करके अपने महान राष्ट्रभक्तों को सदैव श्रद्धापूर्वक स्मरण व नमन करता हुआ उन्हें आदर्श मानकर तथा उनके उच्च आदर्शों व बलिदानों को प्रेरणा स्रोत बनाकर अपने जनजीवन में चरितार्थ करें। हमारा भारत देश इसी तरह की उच्च परम्पराओं, त्याग व बलिदानों की पराकाÂष्ठाओं से ओतप्रोत राष्ट्र है। इसमें राÂष्ट्र पर कुर्बान होने वाले अनन्य राष्ट्रभक्तों की लम्बी श्रृंखला है, परन्तु मुझे इस बात को जानकर अत्यंत मार्मिक वेदना है कि आजादी के 62 वर्ष बीत जाने तक भी हम इस राÂष्ट्र में अपने महान राष्ट्रभक्तों को श्रद्धापूर्वक स्मरण व नमन करने हेतु राÂष्ट्रीय स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली में "राष्ट्रीयÂ युद्ध स्मारक " का निर्माण नहीं कर पाए हैं जिसमें पहुंच कर, स्मरण व नमन कर हमारी वर्तमान व भावी पीढ़ियां त्याग और बलिदान की प्रेरणा ले पाएं तथा राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने हेतु सदैव तत्पर रहें। इस स्मारक के निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं, चाहे वे विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों की आपसी सहमति का अभाव हो या कोई अन्य बाधा, को तुरंत दूर कर राÂष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में राÂष्ट्रीय महत्व के इस स्मारक का तुरंत निर्माण कर लगभग 50,000 राÂट्र नायकों की यादगार स्थली बनाकर राष्ट्र अपने दायित्व का निर्वाह करे।